समर एक्सप्रेस

धमाके के बाद सिर्फ 4 मिनट लगे और हाहाकार मच गया, सड़कों पर लोग कराहने लगे

अशवनी पाहवा | लुधियाना
समर न्यूज

घर में स्टॉक किए हुए पोटाश के साथ जब धमाका हुआ तो 4 मिनट आग की लपटों में इलाका के लोगों को कुछ समझ ही ना आया। जब आग की लपटे खत्म हुई तो सब तरफ हाहाकार मच गया और लोग चीखने चिल्लाने लगे।

बच्चे या बड़े जो भी आग की चपेट में आए वह चीखते चिल्लाते हुए, जले हुए शरीर के साथ गली में ही भाग कर अपना बचाव करते नजर आए। यह आलम देखकर लोग इतने सहम गए कि उनका यह भी ना पता चला कि उनका अपना कौन है और पराया कौन।

बस जले हुए लोगों में से अपनों को ढूंढ कर अस्पताल पहुंचाने की कवायत शुरू हुई। जिसको को जो अस्पताल नजदीक मिला वह इस त्रासदी में जले हुए को वहीं ले पहुंचा।

सिविल अस्पताल का मंजर रूह कांपा देने वाला बना

इस हादसे के बाद सिविल अस्पताल के बर्न यूनिट का हाल रूह कांप देने वाला था। क्योंकि वहां पर छोटे-छोटे बच्चे जिनके शरीर पर पोटाश ने जख्म किए थे वह चीख चीख कर रो रहे थे। उनको रोते हुए देख उनके परिजनों की आंखों से भी आंसू बह रहे थे। डॉक्टर हर मरीज को मलहम पट्टी और दर्द रोकने वाली दवा देने के लिए लगे हुए थे। यह सारा मंजर जिसने अपनी आंखों से देखा वह भी अपनी आंखों से आंसू ना रोक पाया।

सिविल, ओसवाल सहित कई अस्पतालों में गए मरीज

इस सब से में कुल 22 लोगों के जख्मी होने की बात सामने आई है। सिविल अस्पताल में जो जख्मी पहुंचे उनकी पहचान रनगुण (8), सोनी (15), अजय (17), विष्णु (18), शिवम (19), शिवम (20), सन्नी (22), जतिन (60), राहुल (15), नितिन (4) है।

इसके अलावा ओसवाल अस्पताल और ट्रांसपोर्ट नगर स्थित एक निजी अस्पताल में भी मरीज गए। प्रशासन के अधिकारियों के मुताबिक इस हादसे में कुल 22 लोग घायल हुए हैं जिनमें से अधिकतर को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी मिल गई है।

शहर में और कई जगह पर भी बनाए जाते अवैध पटाखे

सूत्रों के मुताबिक यह है कोई एक इलाका नहीं है जहां पर अवैध ढंग से पटाखे बनाए जा रहे हैं। महानगर की कई और घनी आबादी वाले इलाके भी हैं जहां पर बिना अनुमति के अवैध ढंग से पटाखे बनाने का काम चल रहा है। इन इलाकों में है हैबोवाल, सलेम टाबरी, राहों रोड, डाबा इत्यादि इलाके हैं। लोगों का यह भी मानना है कि जिस इलाके में कोई हादसा होता है। पुलिस और प्रशासन वहीं पर कार्रवाई करती है। पुलिस व प्रशासन अगर समय रहते ऐसे लोगों पर सख्त कानूनी कार्रवाई करे तो ऐसे हादसों से बचा जा सकता है।

वेरका मिल्क प्लांट में फटा बॉयलर एक की मौत और 4 घायल

सुनील शिंगार | लुधियाना
समर न्यूज

देर रात वेरका मिल्क प्लांट में स्टीम बॉयलर फट गया। बॉयलर फटने से वहां पर मौजूद पांच लोग गंभीर घायल हो गए जिनको निजी अस्पताल में पहुंचाया गया। इनमें से एक की मौत हो गई है जबकि चार की हालत अब भी गंभीर बताई जा रही है। मरने वाले की पहचान कुणाल जैन है जो कि वेरका मिल्क प्लांट में बतौर ब्वॉयलर अटेंडेंट ग्रेट 1 के पद पर काम करता था।

बॉयलर फटने के बाद मौके पर जांच करते हुए।

वही परिवार के लोगों ने प्रशासन के अधिकारियों से मांग की है कि इस बॉयलर फटने के मामले की गंभीरता से जांच की जाए। कारण है कि कुणाल जैन को छुट्टी के दौरान भी जबरदस्ती काम पर बुलाया गया था। ऐसे में परिवार के लोगों के आरोपी के आधार पर वेरका मिल्क प्लांट के अधिकारियों ने भी बयान दिया और उन्होंने इसको एक हादसा बताया।

सतबीर जैन

घटना बुधवार देर रात करीब 10:30 की है। विश्वकर्मा के दिन वेरका मिल्क प्लांट के अंदर मशीनरी बंद थी। इसको रात को 12 के बाद चालू किया जाना था। ऐसे में वेरका मिल्क प्लांट के अंदर स्टीम बॉयलर की जांच करने के लिए वहां काम चल रहा था। रात करीब 10:30 बजे कुणाल वहां पर पहुंचा तो उसने स्टीम बॉयलर की जांच की जिस दौरान वहां पर एक बड़ा धमाका हुआ और बॉयलर फट गया। जिस समय बॉयलर फटा उस समय कुणाल जैन के साथ वेरका मिल्क प्लांट के ही फोरमैन, गेटमैन व दो अन्य सहायक मौजूद थे जो भी इस हादसे में बुरी तरह से झुलस गए। हादसे का पता चलते ही वेरका मिल्क प्लांट के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे जबकि घायलों को पास स्थित रघुनाथ अस्पताल ले जाया गया। बताया जा रहा है कि सभी की हालत गंभीर होने के कारण घायलों को डीएमसी अस्पताल में रेफर किया गया जहां पर देर रात को नल की मौत हो गई। इस मामले में थाना सराभा नगर की पुलिस मामले की जांच कर रही है और जांच करने के बाद ही अगली कार्रवाई करने की बात मानी जा रही है।

दोस्त का जन्म दिन छोड़ काम पर चला गया

सुनील शिंगार | लुधियाना
समर न्यूज

कहते हैं कि जब मौत आई हो तो उसको नहीं टाला जा सकता। इसका जीता जागता सबूत मिला कुनाल चैन की मौत। अपने ही एक दोस्त की जन्मदिन की पार्टी में महफिल जमा खूब इंजॉय कर रहा था। वेरका मिल्क प्लांट में छुट्टी होने के बावजूद बार-बार वहां से फोन आते रहे। बार बार फोन आने पर परेशान होकर पार्टी छोड़कर वह वेरका मिल्क प्लांट चा पहुंचा था। कुणाल को क्या पता था कि उसकी मौत उसको आवाज लगा रही है। जैसे ही कुणाल जैन वेरका मिल्क प्लांट में पहुंचा तो कुछ ही देर बाद उसकी मौत की सूचना जन्मदिन की पार्टी ने मौजूद दोस्तों को मिली। दोस्त सतबीर गर्ग ने बताया कि मेरे जन्मदिन वाले दिन कुणाल दुनिया छोड़ चला गया। इस सदमे को मैं जिंदगी भर नहीं भूल पाऊंगा।

कुणाल जैन के दो छोटे-छोटे बच्चे, बीवी और बुजुर्ग पिता का मानव सारा जहां लुट गया। जब परिवार को इस हादसे में कुणाल जैन की मौत का पता चला तो पत्नी रीति जैन पत्थर से बन रह गई। छोटे-छोटे बच्चों को देख वह ना रो पा रही थी और ना ही कुछ समझ पा रही थी आखिर हुआ क्या। बुजुर्ग बाप की बुढ़ापे की लाठी ही टूट गई। क्योंकि कुणाल जैन के पिता काफी बुजुर्ग है और काम करने के लिए समर्थ नहीं है। अब घर में कोई भी कमाने वाला नहीं रहा। जन्मदिन की पार्टी में कुणाल जैन की मौत की खबर सुन उसका सबसे करीबी उसका दोस्त सुधीर जैन हादसे वाली जगह पर पहुंचा।

सुधीर जैन ने सरकार से मांग की है कि यह हादसा एक अनदेखी के कारण हुआ है। उन्होंने बताया कि इस हादसे की पंजाब सरकार को गंभीरता से जांच करवानी चाहिए और परिवार को बनती सहायता सरकार की तरफ से मिलनी चाहिए।

निगम प्रशासन फेलः सड़कों पर कूड़ा और कूड़े में गाड़ियां, अब जाम से लोग परेशान

» दिवाली की सफाई के बाद कूड़े को निगम कर्मी नहीं उठा की ले गए तो अब लोगों ने सड़कों पर फेंका कूड़ा

सुनील शिंगार | लुधियाना
समर न्यूज

दिवाली की सफाईयों के बाद घरों और औद्योगिक इकाइयों से निकला कूड़ा अब परेशानी का कारण बनने लगा है। कारण है कि यह कूड़े के डंप सड़कों पर लगे हुए हैं।

इन डंप को न हटाने के कारण उन इलाकों में जाम लगने लगा है जहां सड़कों पर यह कूड़ा पड़ा है। वाहनों को कूड़े के ऊपर से ही निकालने के लिए चालक मजबूर हैं। लेकिन निगम प्रशासन के पास इस कूड़े के डंप को सड़कों से हटाने के लिए कोई भी योजना नहीं है। ऐसा ही आलम शहर के एक दो इलाकों में नहीं जबकि दर्जनों इलाकों में हालात बने हुए हैं। निगम अधिकारियों की बात करें तो वह भी इस डंप के बारे में खुलकर बात नहीं करना चाहते जबकि दबी आवाज में यह कह रहे हैं कि इसको धीरे-धीरे हटाया जाएगा।

जानकारी के मुताबिक कूड़ा डंप करने का महानगर का मुख्य स्थान ताजपुर रोड केंद्रीय जेल के पास है। जानकारी के मुताबिक वहां पर पहले ही कूड़ा काफी ज्यादा हो चुका है जबकि वहां पर गाड़ियों की एंट्री भी लंबी कतारों में लग कर लेनी पड़ती है। ऐसे में जो गाड़ियां शहर के अलग-अलग इलाका से कूड़ा उठाकर ताजपुर रोड के डंप पर लेकर जाती हैं उन गाड़ियों के चालक भी रुचि नहीं दिख रहे। कारण है कि उन गाड़ियों के चालकों को कई घंटे तक इंतजार करना पड़ता है।

निगम कर्मी नहीं उठाते कूड़ा

दिवाली की सफाईयों के बाद घरों और औद्योगिक इकाइयों से जो भी कूड़ा निकला है। लोग उसको गली की नुक्कड़ या घर के बाहर रख देते हैं। ऐसे में निगम का कोई भी कर्मचारी उक्त कूड़े को उठाने के लिए नहीं पहुंचता तो मजबूरन घरों व औद्योगिक इकाइयों के लोग उक्त कूड़े को उठाकर इलाका के डंप के पास ले गए।

डंप भी भरा होने के कारण जगह नहीं मिली तो उसके आसपास सड़कों पर ही कूड़ा फेंक दिया गया। स्थानीय लोगों का मानना है कि इस सब का जिम्मेदार सीधे तौर पर निगम प्रशासन है। क्योंकि निगम प्रशासन को भली भांति जानकारी रहती है कि दिवाली के दिनों में कूड़ा ज्यादा मात्रा में निकलता है तो उनको कोई ना कोई रोड मैप तैयार करके ही रखना चाहिए।

सिविल अस्पताल में मेडिकल करवाने आये एक पक्ष पर 50 लोगों ने किया हमला, भागकर बचाई जान

» घटना से 20 कदमों की दूरी पर पुलिस चौकी, यहां लगा था ताला » हमलावरों ने अस्पताल में खड़े बाइक भी तोड़े

टूटा हुआ बाइक दिखाते हुए घायल के परिजन। टूटे हुए बाइक।

अशवनी पहवा | लुधियाना
समर न्यूज

लुधियाना का सिविल अस्पताल एक बार फिर से बना जंग का अखाड़ा, जहा अस्पताल में मेडिकल करवाने आये एक पक्ष के लोगो पर दूसरे पक्ष के बदमाशों ने तेजधार हथियारों के साथ हमला कर दिया। हमलावरों ने अस्पताल में खड़े मोटरसाइकिल तक तोड़ दिए। वही हमले के दौरान घायल हुए युवकों ने वहां से भागकर अपनी जान बचाई। वही बदमाशों की संख्या लगभग 40 से 50 बताई जा रही है। हमले के दौरान दो युवक घायल हुए, जिन्होंने मेडिकल जांच करवा मामले की शिकायत पुलिस को दी।

मामले की जानकारी देते हुए टिब्बा रोड निवासी परमजीत सिंह उर्फ पम्मा ने बताया कि उनका टिब्बा रोड स्तिथ नामदेव कालोनी में रहने वाले युवक के साथ उनके घर के बाहर शराब पीने से मना करने पर विवाद हुआ था। विवाद के दौरान उक्त युवक ने उनपर हमला कर दिया था। जिसके बाद वह सिविल अस्पताल में मेडिकल करवाने आया। जहा से वापिस लौटते समय उक्त युवक ने अपने हथियारबंद साथियों के साथ मिलकर उसपर व उसके रिश्तेदारों पर सिविल अस्पताल के मैन गेट पर बनी कैंटीन के बाहर हमला कर दिया। हमलावरों ने लगातार उनपर तेजधार हथियारो से हमला कर दिया। जिसमें परमजीत सिंह पम्मा व उसका दोस्त सुखविंदर सिंह घायल हुए। वही मामले की सूचना पुलिस को दी गई। जहा पीसीआर दस्ता मौके पर पुहंचा, पुलिस के मौके पर पुहंचने से पहले ही हमलावर मोके से फरार हो गए।

घटनास्थल से 20 कदम दूरी पर पुलिस चौकी जहां लगा है ताला

यहां आपको बता दे कि जहां पर यह वारदात हुई है वहां से लगभग 20 कदम दूरी पर ही सिविल अस्पताल पुलिस चौकी है, जहां रात करीब 9:00 बजे के बाद ताला लग जाता है। ऐसे में पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाये जा रहे है। घायलों ने कहा कि वह भाग कर चौकी में पुहंचे, लेकिन वहां ताला लगा हुआ था। अगर कोई पुलिस मुलाजिम समय पर मौके पर पुहंच जाता तो हमलावरों को दबोचा जा सकता था।

घटनास्थल पर बनी कैंटीन में लगे सीसीटीवी कैमरे, ठेकेदार बोला काफी समय से बंद पड़े

सिविल अस्पताल के मैन गेट पर बनी कैंटीन के बाहर जहा ये वारदात हुई वहां पर सीसीटीवी कैमरे लगे थे। घायलों ने जब ठेकेदार से उन सीसीटीवी कैमरे की फुटेज मांगी, तो ठेकेदार ने बोला कि कैमरे बंद पड़े हैं। पिछले कुछ दिनों से कैमरे खराब है। जिसके बाद पुलिस ने ठेकेदार को फटकार लगाई।

घायल परमजीत सिंह।

SBP F Towers में निर्माण कार्य जोर-शोर से जारी – लुधियाना का पहला ब्रांडेड, RERA-स्वीकृत लग्ज़री रेज़िडेंशियल आकार लेता हुआ

समर प्लस | लुधियाना

SBP F Towers में निर्माण कार्य पूरी रफ़्तार पर है। लुधियाना का पहला ब्रांडेड, RERA-स्वीकृत लग्ज़री रेज़िडेंशियल प्रोजेक्ट अब शहर के सबसे प्रतिष्ठित और आधुनिक विकासों में से एक के रूप में तेजी से आकार ले रहा है।

SBP Group द्वारा एफ टीवी के सहयोग से विकसित यह 35 मंज़िला प्रोजेक्ट, जिसे लुधियाना की सबसे ऊँची रेज़िडेंशियल बिल्डिंग के रूप में देखा जा रहा है, पंजाब में लग्ज़री लिविंग को एक नया आयाम दे रहा है। इस प्रोजेक्ट में शानदार 3 बीएचके और 4 बीएचके निवास शामिल हैं, प्रत्येक में सर्वेंट रूम आधुनिक सुविधाओं के साथ, जिससे निवासियों के जीवन में आराम और सुविधा बनी रहती है।

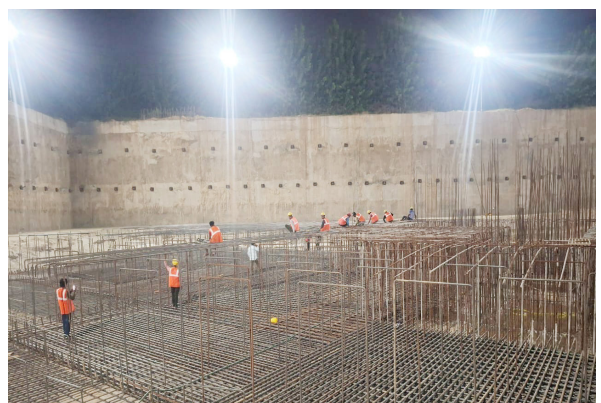

SBP F Towers में आधुनिक क्लब हाउस, स्काई लाउंज, फाइन डाइनिंग स्पेस, लैंडस्केप्ड टैरेस, वेलनेस और फिटनेस जोन, और अन्य मनोरंजन एवं विश्राम क्षेत्र मौजूद हैं, जो पूर्ण लग्ज़री जीवनशैली का अनुभव प्रदान करते हैं। निर्माण कार्य पूरी गति से चल रहा है, और SBP F Towers आधुनिक वास्तुकला, वैश्विक डिज़ाइन और सुसंस्कृत जीवनशैली का प्रतीक बनकर उभर रहा है—जो लुधियाना में शहरी लग्ज़री का नया मानक स्थापित करेगा।

रोमानिया में मृत पठानकोट के युवक का पार्थिव शरीर आएगा भारत; मंत्री संजीव अरोड़ा की पहल से परिवार को मिली बड़ी मदद

समर न्यूज | पठानकोट

पंजाब सरकार ने विदेश में मुश्किल में फंसे एक और पंजाबी परिवार को तत्काल सहायता पहुँचाई है। एनआरआई मामलों के मंत्री संजीव अरोड़ा के हस्तक्षेप और सक्रिय प्रयासों के बाद, रोमानिया में मृत पठानकोट जिले के एक युवक के पार्थिव शरीर को भारत वापस लाने की प्रक्रिया तेज हो गई है, जिससे पीड़ित परिवार को बड़ी मदद मिली है।

पठानकोट जिले के सुजानपुर निवासी 32 वर्षीय कुलदीप कुमार की इस महीने की शुरुआत में रोमानिया के तिमिसोआरा शहर में मृत्यु हो गई थी। वह वहाँ एस.सी. स्टारटो एस.आर.एल. (S.C. Stareto S.R.L.) में कार्यरत थे। कुलदीप की मृत्यु की सूचना 3 अक्टूबर को उनके एक सहकर्मी शमशेर सिंह ने परिवार को दी, जो रोमानिया में ही काम करते हैं। कुलदीप के भाई हीरा सिंह ने अधिकारियों को पत्र लिखकर अपने भाई के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए भारत वापस लाने में सरकार से मदद मांगी थी। परिवार की अपील के बाद, पंजाब के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले के मंत्री लाल चंद कटारूचक ने यह अनुरोध एनआरआई मामलों के मंत्री संजीव अरोड़ा को भेजा। मंत्री अरोड़ा ने मामले की गंभीरता को समझते हुए तत्काल विदेश मंत्रालय (एमईए) और बुखारेस्ट स्थित भारतीय दूतावास को पत्र लिखा और पार्थिव शरीर को वापस लाने की प्रक्रिया में सहायता का आग्रह किया। अपने आधिकारिक पत्र में, मंत्री अरोड़ा ने ज़ोर देकर कहा, "परिवार गहरे दुःख में है और अंतिम संस्कार करने के लिए उनके पार्थिव शरीर को तत्काल भारत वापस लाना चाहता है।"मंत्री ने भारतीय मिशन से यह भी अनुरोध किया कि वे "भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और नई दिल्ली स्थित रोमानिया के उच्चायोग के साथ समन्वय करें ताकि संकट की इस घड़ी में शोकाकुल परिवार को हर संभव सहायता प्रदान की जा सके।"

मंत्री की अपील के बाद, बुखारेस्ट स्थित भारतीय दूतावास ने पुष्टि की कि वे "परिवार के सदस्यों और रोमानियाई अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं" और पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भेजने के लिए आवश्यक कदम उठा रहे हैं।

दूतावास के द्वितीय सचिव (कांसुलर) सतीश कुमार ने बताया कि औपचारिकताओं को जल्द से जल्द पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। समन्वय की प्रक्रिया का परिणाम जल्द ही सामने आया। 22 अक्टूबर को, विदेश मंत्री कार्यालय के अवर सचिव विभूति पांडे ने मंत्री अरोड़ा को सूचित किया कि भारतीय दूतावास ने पार्थिव शरीर की वापसी की प्रक्रिया संभालने के लिए एक एजेंसी नियुक्त कर दी है। इसके कुछ ही देर बाद, एजेंसी से एक ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें पुष्टि की गई कि उन्होंने पार्थिव शरीर को अपनी हिरासत में ले लिया है और तिमिसोआरा से सभी आवश्यक दस्तावेज़ प्राप्त कर लिए हैं। पंजाब के एनआरआई मामलों के विभाग, विदेश मंत्रालय और रोमानिया स्थित भारतीय दूतावास के बीच इस समन्वित प्रयास से अंततः शोक संतप्त परिवार को राहत मिली, जो अपने प्रियजन के अंतिम संस्कार के लिए उनके पार्थिव शरीर की वापसी का इंतजार कर रहा था। यह मामला मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार के सक्रिय प्रयासों को दर्शाता है, जो विदेशों में रहने वाले पंजाबियों के परिवारों को संकट के समय समय पर सहायता सुनिश्चित कर रहे हैं।

ग्रुप एडिटरः अर्शदीप सिंह, एग्जीक्यूटिव एडिटर : चंदन स्वप्निल*, मुद्रक, प्रकाशक, इंप्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट- 22, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला। आरएनआई पंजीकरण संख्याः CHMUL/25/A1155
*इस अंक में प्रकाशित सभी समाचार पीआरबी के चयन एवं संपादन हेतु हैं। अधिनियम के अंतर्गत सभी उत्तरदायित्व और उससे उत्पन्न सभी विवाद लुधियाना न्यायालय के अधीन होंगे। वर्ष 1 अंक 48